खास-खबरें

पोषण पखवाड़ा अंतर्गत शिविर में दी आवश्यक जानकारी

बुरहानपुर। आयुष विभाग द्वारा पोषण पखवाड़ा अंतर्गत बुधवारा स्थित आंगनवाड़ी क्र-3 में शासकीय यूनानी औषधालय व आयुष्मान आरोग्य मंदिर दाउदपुरा द्वारा सातवें पोषण पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों में पोषण स्तर की निगरानी करने हेतु महिलाओं को जागरूक किया गया। इस अवसर पर 23 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में संतुलित आहार विहार से संबंधित एवं कुपोषित बच्चों के लिए समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन की जानकारी दी गई। वहीं जल गंगा संवर्धन अभियान से समुदाय को जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं उपस्थितजनों को अभियान के तहत शपथ भी दिलाई गई।

बिजुरी के स्टॉप डेम की सफाई के लिये किया गया श्रमदान

अनुपपुर। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसमें नदी, नालों और ऐतिहासिक एवं पारम्परिक जल संरचनाओं, तालाब, झील, कुंआ, बावड़ी आदि के संरक्षण, पुनर्जीवन के लिए कार्य किया जा रहा है तथा उनकी साफ-सफाई, गहरीकरण का कार्य भी किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में अभियान के तहत नगरपालिका बिजुरी के स्टॉप डेम की साफ-सफाई के लिये श्रमदान किया गया।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक सेक्टर बैठक में हुए शामिल

उमरिया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक सेक्टर बैठक में हुए शामिल उमरिया । प्रभारी जिला कार्यक्रम प्रबंधक एनएचएम डॉ मुकुल तिवारी सेक्टर बैठक में शामिल होकर अलग-अलग उप स्वास्थ्य केंद्र का भ्रमण कर निरीक्षण किया । उन्होने प्रतिभागियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक उप स्वास्थ्य केंद्र पर लू मैनेजमेंट किट बनाई जाए एवं लू से ग्रसित मरीजों की जानकारी रैपिड रिस्पांस टीम एवं जिला आईडीएसपी डाटा मैनेजर को तत्काल उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में आयरन टेबलेट का वितरण समय पूर्व किया जाए जिससे कि किशोरियों को उपलब्ध कराई जा सके । मिशन परिवार विकास पखवाड़ा के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि 11 अप्रैल से लेकर 25 अप्रैल 2025 तक मिशन परिवार विकास पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है।

दीवार लेखन के माध्यम से दिया जा रहा जल संरक्षण का संदेश

रीवा। जल गंगा संवर्धन अभियान से प्रत्येक आमजन को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान के तहत जल संरक्षण के निर्माण कार्यों के साथ-साथ लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। इस संबंध में जन अभियान परिषद के संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक ने बताया कि जन अभियान परिषद से जुड़ी नवांकुर स्वैच्छिक संस्थाएं दीवार लेखन के माध्यम से जल सरंक्षण का संदेश दे रही हैं। विकासखण्ड जवा की विभिन्न ग्राम पंचायतों में मंगल युवा कल्याण समिति ऊंचाडीह के द्वारा दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है। अन्य विकासखण्डों में भी सामाजिक संस्थाएं अलग-अलग माध्यमों से जल संरक्षण के संदेश दे रही हैं। नवांकुर संस्था सूरज विकास समिति ने विकासखण्ड त्योंथर के ग्राम सेंगरवार में दीवार लेखन करके लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत परासी में बोरी बन्धान

उमरिया। प्रदेश शासन के आव्हान पर उमरिया जिले में भी 'जल गंगा सवंर्धन अभियान' 30 मार्च से प्रारंभ किया गया है जो कि 30 जून तक संचालित होगा। यह अभियान जन-जन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। आगामी तीन माह तक जल गंगा संवर्धन अभियान सतत चलेगा। अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर नये तालाब बनाये जायेंगे, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मंशानुरूप एंव जिला समन्वयक रवींद्र शुक्ला के निर्देशन में ब्लाक समन्वयक महेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत परासी में मेन रोड के किनारे जया सेवा समिति, नावँकुर संस्था एंव ग्राम पंचायत और सामाजिक कार्यकर्ता के सहयोग से बोरी बंधान किया गया। जल संरक्षण के लिए यह बोरी बन्धान एक मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर राजेन्द्र कुशवाहा मुख्य नगर पंचायत अधिकारी, उद्यानिकी विभाग, सरपंच सुदामा महोबिया, पटवारी सुश्री लक्ष्मी वासवानी, नावँकुर संस्था अध्यक्ष देव प्रकाश गौतम, परामर्शदाता कल्याण यादव, ठाकुर राम साहू, एवं सभी ग्रामवासी उपस्थित रहे।

हैण्डपंपों और नलजल योजनाओं के सुधार के लिए हर ब्लाक में टीम तैनात करें

नलजल की खराब मोटर 24 घंटे में सुधारकर पानी की व्यवस्था करें : सांसद

रीवा

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में विधानसभा क्षेत्र सेमरिया, विधानसभा क्षेत्र सिरमौर तथा विधानसभा क्षेत्र गुढ़ में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि जल स्तर घटने तथा अन्य कारणों से कई बसाहटों में अभी से पेयजल आपूर्ति में कठिनाई हो रही है।

गर्मी बढ़ने के साथ पेयजल समस्या बढ़ेगी कार्यपालन यंत्री पीएचई और जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी समन्वय बनाकर हर गांव में पेयजल की समुचित व्यवस्था कराएं। खराब हैण्डपंपों के सुधार तथा बंद नलजल योजनाओं में सुधार के लिए प्रत्येक विकासखण्ड में टीम तैनात करें। किसी भी क्षेत्र से सूचना मिलने पर यह टीम तत्काल कार्यवाही करके पेयजल व्यवस्था

सुनिश्चित करे। नलजल योजनाओं की मोटर यदि जल गई है तो उसे 24 घंटे में बदलकर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करें। खराब हैण्डपंपों के सुधार का अभियान चलाएं।

सांसद ने कहा कि एकल नलजल योजना की सतत निगरानी करें। जो नलजल योजना ग्राम पंचायत को हैण्डओवर हो गई हैं उन्हें चलाने में पीएचई विभाग ग्राम पंचायतों को सहयोग करे। जिन गांवों में अभी टंकी का निर्माण पूरा नहीं हुआ है वहाँ स्पाट सोर्स अथवा सम्पवेल के माध्यम से पानी की आपूर्ति कराएं। कई स्थानों में पेयजल आपूर्ति के लिए सोलर पंप लगाए गए थे। इनमें से अधिकांश पंप खराब हो गए हैं। इनमें बिजली की मोटर लगाकर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करें। बैठक में विधायक गुढ़ श्री नागेन्द्र सिंह ने कहा कि गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के पहाड़ी क्षेत्र में पेयजल का संकट है। इस पूरे क्षेत्र में पानी की आपूर्ति के लिए तत्काल व्यवस्था करें।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान मैं नलजल योजनाओं का सत्यापन करूंगा। पीएचई के अधिकारी दौरे के समय उपस्थित रहकर नलजल योजनाओं की वस्तुस्थिति से अवगत कराएं। जिन हैण्डपंपों का जल स्तर नीचे हो गया है उनमें तत्काल राइजर पाइप लगवाएं। प्रत्येक पेयजल समस्यामूलक ग्राम पंचायत में तत्काल सिंगल फेज मोटर की व्यवस्था कराएं। इन पंचायतों में 15वें वित्त आयोग मद से जहाँ पानी उपलब्ध हो वहाँ ग्राम पंचायतों के सहयोग से बड़ी टंकी रखवाकर पानी की व्यवस्था कराएं। बड़े गांवों में एक से अधिक स्थानों में टंकी रखवाएं।

बैठक में विधायक सेमरिया श्री अभय मिश्रा ने कहा कि विधायक निधि से स्वीकृत 36 हैण्डपंपों का तत्काल उत्खनन कराएं। सेमरिया विधानसभा क्षेत्र में पिछले 6 माह में जो हैण्डपंप सुधारे गए हैं उनकी सात दिवस में सूची प्रस्तुत करें। खराब हैण्डपंपों में सुधार का कार्य नहीं किया जा रहा है, जिससे आमजनता परेशान है। विधायक निधि और सांसद निधि से स्थापित हैण्डपंपों में भी राइजर पाइप पीएचई विभाग लगाए। बैठक में विधायक सेमरिया ने पीएचई विभाग द्वारा वित्तीय अनियमितता तथा पीएचई विभाग के कर्मचारी के निलंबन का भी मामला उठाया।

जिला अस्पताल में मिशन परिवार विकास पखवाड़े का आयोजन

खण्डवा

मिशन परिवार विकास पखवाड़ा 11 अप्रैल से 25 अप्रैल 2025 तक मनाया जाना है द्य इसी क्रम में शनिवार को श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय सह नंदकुमार सिंह चौहान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय खंडवा के लेडी बटलर में मिशन परिवार विकास पखवाड़े का आयोजन सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल के मार्गदर्शन में किया गया ।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रश्मि कौशल द्वारा बताया गया कि पखवाड़े को मनाने का उद्देश्य प्रजनन दर को कम करना एवं जन समुदाय में परिवार नियोजन के स्थाई एवं अस्थाई साधनों के संबंध में जानकारी देना तथा इसके लिए अधिक से अधिक लोगों को प्रेरित करना, परिवार नियोजन के स्थाई साधन जैसे महिला नसबंदी, पुरुष नसबंदी को अपनाना है।

उनके द्वारा यह भी कहा गया कि अधिकतर महिलाएं नसबंदी ऑपरेशन के लिए पुरुषों को आगे नहीं आने देती है । वह स्वयं ही ऑपरेशन के लिए तैयार हो जाती है। कई बार महिलाओं को सिजेरियन बच्चे होते हैं द्य अन्य कई जोखिम के पश्चात भी नसबंदी ऑपरेशन करने के लिए स्वयं आगे आती है द्य इस स्थिति में महिला को खतरा हो सकता है द्य ऐसी जोखिम भरी स्थिति में पुरुष नसबंदी करवाना बेहतर होता है । पुरुष नसबंदी के प्रति लोगों की कई भ्रांतियां हैं द्य इन भ्रांतियों को हमें दूर करके समाज में जागरूकता लाना पड़ेगा तभी पुरुष वर्ग ऑपरेशन के लिए आगे आएगा ।

पुरुष नसबंदी बहुत ही सरल एवं बिना चीरा बिना टांके का ऑपरेशन हैद्य इसमें पुरुषों को किसी भी तरह की कोई कमजोरी नहीं आती है, इन भ्रांतियों को दूर करने हेतु अपील की गई द्य डॉ. लक्ष्मी डूडवे स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा परिवार कल्याण के अस्थाई साधन जैसे अंतरा इंजेक्शन, ओरल पिल्स, छाया ,आई.यू. सी. डी., पी.पी.आई.यू.सी.डी. आदि साधनों के लिए प्रेरित किया गया, ताकि बच्चा कुपोषित ना हो एवं माँ का भी स्वास्थ्य अच्छा रहे ,यह बताते हुए परिवार कल्याण के साधनों के लिए अधिक से अधिक लोगों को रुचि दिखाने हेतु अपील की गई ।

विश्व होम्योपैथी दिवस पर आयुष चिकित्सा शिविर का आयोजन

बुरहानपुर

आयुष विभाग द्वारा विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर होम्योपैथी के जनक डॉ. सैम्युल हैनीमैन के जन्म दिवस के उपलक्ष्य पर होम्योपैथी औषधालयों द्वारा आयुष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ कविता गढ़वाल ने बताया कि प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को होम्योपैथी दिवस मनाया जाता है।

इस अवसर पर असीर, खकनार तथा धामनगांव औषधालयों द्वारा चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर के अवसर पर औषधीय पौधे भी वितरित किये गये। शिविर शुभारंभ अवसर पर अध्यक्ष की उपस्थिति में श्री राकेश सोलंकी, डॉ महेन्द्र सिंगोरिया, डॉ रश्मिबाला वर्मा, डॉ भूपेंद्र मंडलोई, डॉ श्रद्धा भट्ट द्वारा विभिन्न स्थानों पर उपस्थित लोगों को होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के बारे में जानकारी दी गई तथा इसके लाभों के बारे में जागरूक किया गया। शिविर में चर्म रोग, सामान्य ज्वर, कास, प्रतिश्याय, पेट दर्द, चोट, महिलाओं, किशोरियों में मासिक धर्म संबंधित समस्याएं, श्वेत प्रदर, एनीमिया कमजोरी आदि के कुल 532 रोगियों की होम्योपैथी पद्धति से चिकित्सा की गई। इस दौरान विभिन्न प्रकार की दवाईयों का वितरण किया गया।

तरल पदार्थ, संतुलित भोजन, स्वच्छ पानी, साफ-सफाई का विशेष ध्यान देने संबंधी सलाह दी गई। इस दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई व 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के बारे में जानकारी दी गई।

आयुष विभाग से औषधी संयोजक मधुसिंह मौर्य, दवासाज मालती भावसार, कमल राठौड़, ओंकार गाढ़े, श्री नन्नू राउत का सहयोग रहा।

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा किया गया विद्यालयों का निरीक्षण

सीधी। जिला शिक्षा अधिकारी पवन सिंह द्वारा शा.उ.मा.वि. सेमरिया, बालिका छात्रावास सेमरिया, शा.हाईस्कूल बेल्दह, शा.उ.मा.वि. हनुमानगढ, शा.उ.मा.वि. संस्कृत बढौरा एवं शा.उ.मा.वि. पनवार का निरीक्षण किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यालय में समय पर नही पहुचने वाले शिक्षक/कर्मचारियों को समय पर विद्यालय में उपस्थित होने हेतु समक्ष में बुलाकर निर्देश दिया गया एवं अनुपस्थित कर्मचारियों को अवैतनिक करने हेतु प्राचार्य को निर्देशित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी विद्यालयों के लाईब्रेरी, प्रयोगशाला, आई.टी. कक्ष का निरीक्षण करते हुये आई.टी. कक्ष को व्यवस्थित करने हेतु प्राचार्यो को निर्देश दिया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बरमान स्थित नर्मदा नदी के पदमघाट में चलाया गया स्वच्छता अभियान

श्रद्धालुओं को नदी में स्वच्छता बनाये रखने और जल संरक्षण के महत्व को बताया

नरसिंहपुर

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले की नदियों, बावड़ियों, तलाबों और अन्य जल स्त्रोतों में साफ- सफाई कर लोगों को जल संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य के बारे में अवगत कराया जा रहा है। इस कार्य में जनप्रतिनिधि, स्वयं सेवी संगठन, मप्र जनअभियान परिषद की संस्थायें सहित आम नागरिक अपनी सहभागिता दे रहे हैं। इसके अलावा लोगों को जोड़कर जल संरक्षण व संवर्धन का संदेश दिया जा रहा है।

इसी क्रम में जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में विकासखंड

चांवरपाठा की नवांकुर संस्था बंधा, बिलथारी व स्थानीय लोगों की सहभागिता से बरमान स्थित सतधारा के पास पदमघाट नर्मदा नदी में स्वच्छता अभियान चलाया गया। घाट की साफ- सफाई कर स्थानीय ग्रामवासियों को जल संरक्षण व संवर्धन की शपथ दिलाई गई।

एकत्रित कचरे का निपटान समुचित स्थान पर किया गया। इस दौरान नर्मदा नदी में स्नान करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को कचरे को यहां-वहां नहीं फेंकने, जल की निर्मलता बनाये रखने और जल का सदुपयोग करने की समझाइश दी गई।

उन्हें जल गंगा संवर्धन अभियान में जोड़ने के लिए प्रेरित भी किया गया। यह स्वच्छता अभियान जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद श्री जयनारायण शर्मा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक श्री धर्मेन्द्र चौहान, नवांकुर संस्था बंधा, बिलथारी अन्य ग्रामीणजन मौजूद थे।

30 मई तक शत-प्रतिशत परिवारों को समग्र ई केवाईसी किया जाना सुनिश्चित किया जायें : कलेक्टर

सिंगरौली

शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को बिना किसी असुविधा के प्राप्त हो इसके लिए समंग्र आईडी का ई केवाईसी जिले में अभियान चलाकर किया जा रहा है। कलेक्टर श्री चन्द्रशेखर शुक्ला के द्वारा नगरीय क्षेत्र में आयुक्त नगर निगम एवं ग्रामीण क्षेत्रो में शत प्रतिशत ई केवाईसी कराने हेतु जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा है कि शासन द्वारा निर्धारित समायवधि 30 मई तक शत प्रतिशत परिवारो को ई केवाईसी किया जाना सुनिश्चित किया जायें।

उन्होंने कहा कि ई-केवाईसी पूरी होने के बाद ही छात्रवृत्ति, पेंशन, खाद्य सुरक्षा, आवास और अन्य योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। कलेक्टर ने कहा कि जिले के 18 लाख 47 हजार 524 व्यक्तियों का समंग्र ईकेवासी किया जाना है। लेकिन अब तक केवल सिर्फ 9 लाख 97 हजार 275 व्यक्तियों का ही समंग्र ई केवाईसी किया गया है जो कि लक्ष्य का केवल 45.89 प्रतिशत है।

कलेक्टर ने जनपद पंचायतो के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों सहित नगरीय क्षेत्र में नगर निगम आयुक्त तथा बरवगवा एवं सरई नगर पंचायत के सीएमओ को निर्देश दिए कि 30 मई तक हर हाल में जिले के शत प्रति प्रतिशत व्यक्तियों का समंग्र ई केवाईसी का कार्य किया जाना पूर्ण करे। उन्होंने समस्त उपखण्ड अधिकारियों को निर्देश दिए है कि समय समय पर अपने स्तर से इस कार्य की समीक्षा करते निर्धारित समय पर लक्ष्य को पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करे। जिला ई गर्वेनेन्स प्रबंधक द्वारा बताया गया कि नजदीकी लोक सेवा केन्द्र, एमपी ऑन लाईन या कामन सर्विस सेंटर के माध्यम पर जाकर नागरिक अपना नि:शुल्क ई केवाईसी आधार लिंक मोबाईल पर ओ.टी.पी एवं बायोमैट्रिक सत्यापन के माध्मय से करा सकते है।

समंग्र में आधार ई केवाईसी हो जाने पर शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं में आधार के माध्यम से भुगतान होने वाली राशि सीधे संक्रिय बैक खाते में हस्तातरित हो जायेंगी। इसी के साथ आवेदन के दौरान बार बार जानकारी सत्यापन की आवश्यकता नही होगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान में बनाए जाएंगे 344 रिचार्ज कूप

रीवा। जिले भर में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत नए निर्माण कार्यों के साथ पुरानी जल संग्रहण संरचनाओं में सुधार का कार्य किया जा रहा है। जिले की 564 ग्राम पंचायतों में जल गंगा संवर्धन अभियान में 344 कुओं में रिचार्ज पिट बनाए जाएंगे। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि परंपरागत कुओं में रिचार्ज पिट बनाने के लिए माडल स्टीमेट बनाकर तकनीकी स्वीकृति जारी कर दी गई है। अभियान के दौरान विकासखण्ड गंगेव में 54, जवा में 49, रायपुर कर्चुलियान में 63, विकासखण्ड रीवा में 56, सिरमौर में 63 तथा विकासखण्ड त्योंथर में 59 रिचार्ज पिट का निर्माण किया जाएगा। इससे वर्षाकाल में बड़ी मात्रा में पानी रिचार्ज पिट के माध्यम से कुंओं में जाकर उनके भूमिगत जल स्रोत को समृद्ध करेगा। जिले के 10 हजार हैण्डपंपों में भी जलगंगा संवर्धन अभियान में रिचार्ज पिट बनाए जाएंगे। इसके लिए लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तथा ग्राम पंचायत मिलकर प्रयास कर रही हैं।

ग्राम सभाओं का किया जाएगा चरणबद्ध आयोजन

अनुपपुर

मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम के अंतर्गत प्रदेश में 14 अप्रैल 2025 से 18 अप्रैल 2025 तक ग्राम सभाओं का चरणबद्ध आयोजन किया जाएगा।

जिसके तहत में आयोजित ग्राम सभाओं में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 अंतर्गत बालिका की उम्र 18 वर्ष एवं बालक की उम्र 21 वर्ष से कम उम्र के विवाह नही किये जाने हेतु जागरूकता, बेटी बचाओं, बेटी पढाओं योजना पर चर्चा, स्कूलों और ऑगनवाडी केन्द्रों में स्वच्छ जल की उपलब्धता पर चर्चा, कुपोषण मुक्त ग्राम पर चर्चा, विभिन्न प्रकार की पेंशन योजनाओं में लाभ वाले हितग्राहियों की सूचियों का वाचन, हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर (आरोग्यम) में प्रदाय की जाने वाली एवं स्वास्थ्य विभाग संबंधी योजनाओं पर चर्चा, शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्राम सभा के समक्ष रखना, ग्राम के स्वीकृत व प्रगतिरत निर्माण कार्यों संबंधी जानकारी का प्रस्तुतिकरण व चर्चा, ग्राम में छूटे हुए लक्षित/पात्र परिवारों का स्व-सहायता समूहों में शीघ्र समावेश कर ग्राम को परिपूर्ण करना एवं ग्राम के लक्षित परिवारों का समूहों में समावेश का वाचन तथा सत्यापन, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत महिला सदस्यों के नाम से स्वीकृति पर चर्चा, स्वच्छता अभियान और पर्यावरण,जल संरक्षण, कन्या अभिभावक पेंशन योजना पर चर्चा, वन अधिकार अधिनियम अंतर्गत गठित ग्राम वन अधिकार समिति से प्राप्त प्रस्तावों पर सम्यक संकल्प पारित करना, पैसा क्षेत्र की ग्राम सभा में पैसा नियमों के क्रियान्वयन पर चर्चा अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से सहित अन्य गतविधियां आयोजित की जाएंगी, ग्राम सभा की वीडियो ग्राफी कराए जाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

स्पेशल खबर कलेक्ट्रेट सभागार में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग कार्यशाला का हुआ आयोजन

जल गंगा संवर्धन अभियान को जन सहयोग के माध्यम से बनाया जाएगा जन आंदोलन

सिंगरौली

जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य सुरक्षित कल के लिए जल स्त्रोतों को बचाना है।

इसी कड़ी में आज कलेक्ट्रेट सभागार सिंगरौली में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया।इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए हर घर में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से वर्षा जल संरक्षण किया जाना है। कार्यशाला का आयोजन सिंगरौली विधानसभा के विधायक श्री रामनिवास शाह के मुख्य अतिथि एवं कलेक्टर श्री चंद्रशेखर शुक्ला के अध्यक्षता में, नगर निगम अध्यक्ष श्री दिवेश पांडे, प्राधिकरण अध्यक्ष श्री दिलीप शाह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गजेंद्र सिंह नागेश , नगर निगम आयुक्त श्री डी के शर्मा के उपस्थित में किया गया। कार्यशाला के दौरान रूफ वाटर हार्वेस्टिंग के विशेषज्ञ अरुण नामदेव द्वारा वर्षा जल संरक्षण के विषय में विस्तार से अवगत कराते हुए बताया गया कि जल संकट मनुष्य द्वारा निर्मित आपदा है ।

प्रकृति जीवन यापन के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध कराती है किंतु हमारे द्वारा गलत ढंग से जल का दोहन करने की वजह से यह स्थिति निर्मित हुई है। उन्होंने बताया कि यदि वर्षा जल का संरक्षण किया जाए तो प्रतिदिन जल आपूर्ति के साथ-साथ भूमिगत जल स्तर को भी बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए हमें रूफ रेन वाटर हार्वेस्टिंग पद्धति को अपनाना होगा । उन्होंने रेन वाटर हार्वेस्टिंग के संबंध में विस्तार से बताया कि हम अपने घर की छत पर 10000 से 15000 रूपये की लागत में यह सिस्टम स्थापित कर सकते हैं। जिससे छत में गिरने वाले वर्षा के जल को पाइप के माध्यम से धरती में बने रिचार्ज शोक पेट में भेज कर भूमिगत जल स्तर को बढ़ाया जा सकता है। शोक पेट के एवज में टांकी का निर्माण कर रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य भी किया जा सकता है। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञ श्री नामदेव द्वारा रूफ वाटर हर्वेस्टिंग के प्रैक्टिकल मॉडल के माध्यम से वर्षा जल संरक्षण की पद्धति के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला को संबोधित करते हुये कलेक्टर श्री चन्द्र शेखर शुक्ला ने कहा कि सिंगरौली जिले में पर्याप्त वर्षा होती है किंतु जिले के चितरंगी , सरई तथा देवसर के क्षेत्रो में गर्मी के आते ही जल संकट की समस्या सामने दिखने लगती हैं। जिसका मुख्य कारण वर्षा जल को रोकने में असफल रहना है। उन्होने कहा कि जिले में मुख्यमंत्री जी के मंशानुसार जिले में 30 मार्च से 30 जून तक अनवरत जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य वर्षा जल को संरक्षित करना है। उन्होंने कहा कि हमे इस अभियान को जन अंदोलन में बदलने की आवश्यकता है। जिसके लिए जन भागीदारी की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हैं।